अध्याय 9: मिठाइयों का सम्मेलन

विषय-सूची — 6 प्रश्नावली · 18 प्रश्न

प्रश्नावली 9.1	बातचीत के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 9.2	पाठ के भीतर	5 प्रश्न
प्रश्नावली 9.3	हमारी मिठास	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.4	भाषा की बात	3 प्रश्न
प्रश्नावली 9.5	साग-भाजियों का सम्मेलन	1 प्रश्न
प्रश्नावली 9.6	हम और हमारा स्वास्थ्य	2 प्रश्न

प्रश्नावली 9.1 — बातचीत के लिए

प्रश्न 1

आपको कौन-सी मिठाई सबसे अधिक पसंद है और क्यों?

उत्तर: नमूना उत्तर: मुझे जलेबी सबसे अधिक पसंद है क्योंकि यह गरमागरम और मीठी होती है। इसका कुरकुरापन और चाशनी का स्वाद मुझे बहुत अच्छा लगता है।

प्रश्न 2

आपके घर में मिठाई कब-कब बनाई और बाँटी जाती है?

उत्तर: हमारे घर में दीपावली, होली और ईद जैसे त्योहारों पर मिठाई बनाई जाती है। जन्मदिन और विवाह जैसे खुशी के अवसरों पर भी मिठाई बाँटने की परंपरा है।

प्रश्न 3

घर से विद्यालय तक जाते हुए आपको किन-किन वस्तुओं की दुकानें मिलती हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: घर से विद्यालय जाते समय मुझे फल-सब्जी, दूध, दवाई, फूल और स्टेशनरी की दुकानें मिलती हैं। कभी-कभी हलवाई की दुकान भी रास्ते में पड़ती है।

प्रश्न 4

अगर आप अपनी कक्षा में बालसभा का आयोजन करते तो किन-किन बातों पर चर्चा करते?

उत्तर: नमूना उत्तर: मैं बालसभा में पर्यावरण की सफ़ाई, समय का सदुपयोग और स्वास्थ्यवर्धक खान-पान जैसे विषयों पर चर्चा करता। इससे सभी को लाभकारी जानकारी मिलती।

प्रश्नावली 9.2 — पाठ के भीतर

प्रश्न 1

रसगुल्ला भाई के अनुसार मिठाइयों की उपेक्षा का क्या कारण है?

उत्तर: रसगुल्ला भाई के अनुसार मिठाइयों की अत्यधिक मिठास ही उनकी उपेक्षा का कारण है। लोग ज़रूरत से ज़्यादा मिठाई खाते हैं, जिससे उनके शरीर में शक्कर की मात्रा बढ़ जाती है।

प्रश्न 2

लड्डू दादा ने क्या-क्या सुझाव दिए?

उत्तर: लड्डू दादा ने सुझाव दिया कि मिठाइयों में शक्कर की मात्रा कम की जाए। उन्होंने लोगों को जीभ पर नियंत्रण रखने, मिठाई का सीमित सेवन करने और नियमित शारीरिक श्रम करते हुए स्वस्थ रहने की बात कही।

प्रश्न 3

"फिर हमें मिठाई कौन कहेगा?" गुलाबजामुन ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर: लड्डू दादा ने मिठाइयों में शक्कर की मात्रा कम करने का सुझाव दिया था। इसी पर गुलाबजामुन ने यह बात कही, क्योंकि उसे लगा कि शक्कर कम होने पर वे मिठाई नहीं रहेंगे।

प्रश्न 4

इस पाठ में जीभ पर नियंत्रण रखने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर: किसी भी चीज़ की अधिकता हानिकारक होती है। मिठाई का अधिक सेवन करने से शरीर में शक्कर बढ़ती है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसीलिए जीभ पर नियंत्रण रखने की बात कही गई है।

प्रश्न 5

इस पाठ में मिठाइयों को लड्डू दादा, बरफ़ी बहन आदि नामों से पुकारा गया है। मिठाइयों को अपनी पसंद के नाम दीजिए — गुलाबजामुन, काजूकतली, गुझिया, मैसूरपाक।

उत्तर: नमूना उत्तर: गुलाबजामुन — गुलाबजामुन मामा; काजूकतली — काजूकतली मौसी; गुझिया — गुझिया बुआ; मैसूरपाक — मैसूरपाक चाचा। विद्यार्थी अपनी पसंद से अन्य रिश्तों के नाम भी दे सकते हैं।

प्रश्नावली 9.3 — हमारी मिठास

प्रश्न 1

हमारे देश के विभिन्न प्रदेशों में बनाई जाने वाली मिठाइयों के बारे में पता कीजिए और उनके नाम लिखिए।

उत्तर: कुछ प्रदेशों की प्रसिद्ध मिठाइयाँ: गोवा — बेबिका; ओडिशा — छेना पोड़ा; बिहार — ठेकुआ; गुजरात — बासुंदी; महाराष्ट्र — मोदक। विद्यार्थी अपने क्षेत्र की मिठाइयाँ भी जोड़ सकते हैं।

प्रश्न 2

पढ़िए, समझिए और लिखिए — मीठा → मिठास → ?; खट्टा → खटास → ?; नमक → नमकीन → ?; कड़वा → कड़वाहट → ?

उत्तर: मीठा → मिठास → रसगुल्ला, लड्डू; खट्टा → खटास → नीबू, आँवला; नमक → नमकीन → पापड़, समोसा; कड़वा → कड़वाहट → करेला, मेथी।

प्रश्न 3

विभिन्न मिठाइयाँ बनाने में अनाज, साग-भाजी, फल-फूल, दलहन, तिलहन और सूखे मेवे आदि का उपयोग होता है। उदाहरण सहित तालिका पूरी कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: अनाज — लड्डू (बेसन/आटा), बालूशाही (मैदा); दलहन — मोतीचूर लड्डू (बेसन); सूखे मेवे — काजूकतली (काजू), बादाम बर्फ़ी (बादाम); तिलहन — तिल के लड्डू (तिल)। विद्यार्थी अपने अनुभव से और उदाहरण जोड़ सकते हैं।

प्रश्नावली 9.4 — भाषा की बात

प्रश्न 1

नीचे दिए मुहावरों के अर्थ लिखिए — (क) अंगूर खट्टे हैं (ख) ऊँट के मुँह में जीरा (ग) नमक मिर्च लगाना (घ) एक अनार, सौ बीमार (ङ) थाली का बैंगन

उत्तर: (क) अंगूर खट्टे हैं — न मिलने वाली वस्तु को बुरा कहना। (ख) ऊँट के मुँह में जीरा — आवश्यकता से बहुत कम मात्रा। (ग) नमक मिर्च लगाना — बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना। (घ) एक अनार, सौ बीमार — एक वस्तु और चाहने वाले बहुत। (ङ) थाली का बैंगन — स्वार्थी और पल-पल बदलने वाला।

प्रश्न 2

नीचे दिए एकवचन शब्दों के बहुवचन लिखिए — मिठाई, जलेबी, रसगुल्ला, इमरती, पेड़ा।

उत्तर: मिठाई → मिठाइयाँ; जलेबी → जलेबियाँ; रसगुल्ला → रसगुल्ले; इमरती → इमरतियाँ; पेड़ा → पेड़े।

प्रश्न 3

दो शब्दों के मेल से बनने वाली मिठाइयों के पूरे नाम लिखिए — (ख) गुलाब + जामुन (ग) बालू + शाही (घ) मोहन + भोग (ङ) कला + कंद (च) काजू + कतली (छ) सोन + पापड़ी (ज) अंगूरी + पेठा

उत्तर: (ख) गुलाब + जामुन = गुलाबजामुन; (ग) बालू + शाही = बालूशाही; (घ) मोहन + भोग = मोहनभोग; (ङ) कला + कंद = कलाकंद; (च) काजू + कतली = काजूकतली; (छ) सोन + पापड़ी = सोनपापड़ी; (ज) अंगूरी + पेठा = अंगूरीपेठा।

प्रश्नावली 9.5 — साग-भाजियों का सम्मेलन

प्रश्न 1

साग-भाजियों के सम्मेलन की बातचीत पूरी कीजिए — टमाटर, प्याज़, मिर्च क्या-क्या कह सकते हैं?

उत्तर: नमूना उत्तर: टमाटर — मेरे बिना तो सब्जियों का स्वाद ही अधूरा है, मैं हर सब्जी का स्वाद दोगुना कर देता हूँ। प्याज़ — मेरा उपयोग सब्जी और सलाद दोनों में होता है, गरमियों में लू से भी बचाता हूँ। मिर्च — खाने में असली तड़का तो मैं ही लगाती हूँ, मेरे बिना खाने में स्वाद कहाँ!

प्रश्नावली 9.6 — हम और हमारा स्वास्थ्य

प्रश्न 1

स्वस्थ रहने के लिए आप क्या-क्या करते हैं? पाँच वाक्य लिखिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: (1) मैं प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर टहलने जाता हूँ। (2) हरी सब्ज़ियाँ और ताज़े फल खाता हूँ। (3) हर रोज़ व्यायाम करता हूँ। (4) अपने आसपास सफ़ाई रखता हूँ। (5) समय पर सोता और जागता हूँ।

प्रश्न 2

"जहाँ अति होती है, वहाँ क्षति होती है।" इस कथन से जुड़ा अपना कोई अनुभव कक्षा में साझा कीजिए।

उत्तर: नमूना उत्तर: एक बार मैंने ज़रूरत से ज़्यादा मीठा खाया तो पेट में दर्द हो गया। इससे मुझे समझ आया कि हर चीज़ सीमित मात्रा में ही अच्छी होती है — अधिकता हमेशा नुकसान पहुँचाती है।